भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
07.12.2022 के

अतारांकित प्रश्न सं. 145 का उत्तर

माल भाड़ा आय से अर्जित राजस्व

145. श्रीमती भावना गवली (पाटील):
श्री कृपाल बालाजी तुमाने:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या रेलवे ने विगत वर्षों की तुलना में माल ढुलाई में अब तक का सर्वाधिक राजस्व अर्जित किया है;
(ख) यदि हां, तो माल ढुलाई के माध्यम से अर्जित राजस्व का जोन-वार ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;
(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;
(घ) विगत तीन वर्षों के दौरान रेलवे द्वारा भुगतान के आधार पर मालगाड़ियों के माध्यम से परिवहन किए गए माल की मात्रा का ब्यौरा क्या है;
(ङ) माल के परिवहन के लिए उस पर भाड़ा निर्धारित करने के लिए निर्धारित मानदंड का ब्यौरा क्या है; और
(च) विगत तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष के दौरान रेलवे द्वारा माल ढुलाई के माध्यम से राजस्व आय में वृद्धि करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए/उठाए जा रहे कदमों का जोन-वार और राज्य-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (च): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

माल भाड़ा आय से अर्जित राजस्व के संबंध में दिनांक 07.12.2022 को लोक सभा में श्रीमती भावना गवली (पाटील) और श्री कृपाल बालाजी तुमाने के अतारांकित प्रश्न सं. 145 के भाग (क) से (च) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (ग): जी हां। माल ढुलाई के माध्यम से अर्जित राजस्व में वृद्धि हुई है। क्षेत्रीय रेल-वार पिछले तीन वर्षों के लिए माल ढुलाई के माध्यम से अर्जित राजस्व के ब्यौरे निम्नानुसार हैं।

(करोड़ रु में)

रेलवे	2019-20	2020-21	2021-22
मध्य रेल	7267.53	7022.88	9243.03
पूर्व रेल	4047.25	4483.80	5487.43
पूर्व मध्य रेल	8784.44	9415.00	11564.75
पूर्व तट रेल	15894.37	16913.89	18511.22
उत्तर रेल	6768.42	7249.66	9823.38
उत्तर मध्य रेल	8048.32	7577.66	10093.16
पूर्वोत्तर रेल	1460.10	1603.42	1643.17
पूर्वोत्तर सीमा रेल	1932.67	2190.66	2606.52
उत्तर पश्चिम रेल	4016.90	4856.63	5228.13
दक्षिण रेल	2755.38	2604.04	3112.85
दक्षिण मध्य रेल	9905.79	9031.72	12320.14
दक्षिण पूर्व रेल	13798.85	13855.63	14734.79
दक्षिण पूर्व मध्य रेल	12459.32	13430.93	15680.23
दक्षिण पश्चिम रेल	2891.50	3061.72	3842.07
पश्चिम रेल	5436.92	5949.81	7495.27
पश्चिम मध्य रेल	8020.11	7984.37	9710.24
कुल	113487.87	117231.82	141096.38

देश की आर्थिक गतिविधियों को बल देने और रेल के वृद्धिपरक यातायात को आकर्षित करने के उद्देश्य से भी, भारतीय रेल ने लंबी अवधि टैरिफ संविदा नीति, स्टेशन दर स्टेशन दर आदि जैसे कई माल भाड़ा नीति संबंधी उपाय किए हैं। ग्राहकों को भारतीय रेल द्वारा एम्पटी फ्लो डायरेक्शन में उदारीकृत स्वतः प्रवृत्त मालभाड़ा रियायत नीति, कम गमन दूरी के यातायात में रियायत, कोयला, लौह अयस्क, लौह एवं इस्पात यातायात में अधिक गमन दूरी के यातायात पर रियायत, व्यस्त समय प्रभार का डायनेमिक एप्लीकेशन आदि जैसे घोषित अनेक प्रोत्साहनों

द्वारा और छूट मुहैया कराई गई हैं। इनके प्रभाव से भारतीय रेलों के लदान में वृद्धि हुई है और वर्षों के दौरान राजस्व में वृद्धि हुई है।

(घ): पिछले तीन वर्षों के दौरान भुगतान आधार पर रेलवे द्वारा माल ढुलाई के माध्यम से ढुलाई किए गए माल के मात्रा के ब्यौरे निम्नानुसार हैः-

वर्ष	माल लदान (मीट्रिक टन में)
2019-20	1208.41
2020-21	1230.94
2021-22	1415.87

(ङ): रेल द्वारा माल ढुलाई के लिए मालभाड़ा दर निर्धारित करने के लिए स्थापित मानदंडों में सेवा की लागत, सेवा का मूल्य, जिसे यातायात वहन कर सकता है, ढुलाई के अन्य तरीके से प्रतियोगिता, मांग की लोच, देश की सामाजिक-आर्थिक स्थिति आदि शामिल है।

(च): मालभाड़ा राजस्व बढ़ाने के लिए, भारतीय रेल अपने ग्राहकों से निरंतर संपर्क में है। बैठकों में इसका जोर समय पर उपलब्धता के अनुसार माल यातायात की आवश्यकताओं, विश्वसनीय सेवा और माल की उचित संभलाई पर है।

****